प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने मुरादाबाद में वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के साथ इंटरएक्टिव सेशन एवं ट्रेड डायलॉग का आयोजन किया

26 मई 2026, मुरादाबाद: आज हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने ईपीसीएच सदस्य निर्यातकों के साथ "इंटरएक्टिव सेशन एवं ट्रेड डायलॉग सत्र का आयोजन किया। यह सत्र श्रीमती अमृत राज, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति में ईपीसीएच रिसोर्स सेंटर, मुरादाबाद में आयोजित किया गया।

इस सत्र ने निर्यातकों, कारीगर, उद्योग हितधारकों और हस्तशिल्प समुदाय के सदस्यों को व्यापार से जुड़े विषयों, उद्योग की चुनौतियों, निर्यात अवसरों, सरकारी पहलों और हस्तशिल्प क्षेत्र की भविष्य की विकास रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

इस इंटरैक्टिव सत्र में कई गणमान्य व्यक्तियों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. नीरज खन्ना, अध्यक्ष, ईपीसीएच; श्री अवधेश अग्रवाल, सदस्य सीओए और कन्वीनर-सेंट्रल रीजन; ईपीसीएच की प्रशासन समिति (सीओए) के सदस्य:- श्री नावेद उर रहमान, सुश्री रश्मि दुग्गल, श्री रोहित ढल, श्री सलमान आजम और श्री जीशान अली शामिल रहे । इस अवसर पर श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच; श्री नजमुल इस्लाम, मुख्य संरक्षक, एमएचईए; श्री जे.पी. सिंह, अध्यक्ष, वाईईएस , मुरादाबाद; एसपीए का प्रतिनिधित्व कर रहीं सुश्री तान्या भाटिया; श्री विकास अरोड़ा, अध्यक्ष, एसईजैड एसोसिएशन तथा हस्तशिल्प निर्यातक समुदाय के अन्य प्रमुख सदस्य भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर डॉ. नीरज खन्ना, अध्यक्ष, ईपीसीएच ने कहा, "भारत की 'मेटल क्राफ्ट सिटी' के रूप में लोकप्रिय मुरादाबाद में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का आगमन और सदस्य निर्यातकों के साथ उनका संवाद, उद्योग को अपनी सुझावों और चिंताओं को सीधे वस्त्र मंत्रालय के समक्ष रखने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है।"

उन्होंने आगे कहा, "मुरादाबाद देश के सबसे महत्वपूर्ण हस्तशिल्प क्लस्टरों में से एक है और इस प्रकार के संवाद नीति समर्थन को मजबूत करने, आधारभूत संरचना में सुधार, निर्यात को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र से जुड़े कारीगरों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।"

श्रीमती अमृत राज, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने उद्योग सदस्यों द्वारा रखे गए सुझावों और चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुना और वस्त्र मंत्रालय की ओर से निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कारीगरों और निर्यातकों को समर्थन देकर तथा भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाकर भारतीय हस्तशिल्प क्षेत्र को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। उन्होंने हैंडीक्राफ्ट की ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए अपने डिपार्टमेंट द्वारा किए गए अलग-अलग प्रमोशन के बारे में भी बताया। उन्होंने ईपीसीएच के प्रयासों की सराहना की और ईपीसीएच मुरादाबाद कार्यालय के समग्र स्वरूप, कार्यप्रणाली और गतिविधियों में परिवर्तन लाने के लिए ईपीसीएच अध्यक्ष को बधाई दी।

श्री अवधेश अग्रवाल, सदस्य सीओए और कन्वीनर-सेंट्रल रीजन, ने कहा कि "मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट का एक अहम सेंटर है और इस तरह की बातचीत एक्सपोर्टर्स, कारीगरों और इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स की ज़रूरतों को समझने में बहुत काम आती है। बातचीत के दौरान, हैंडीक्राफ्ट इंडस्ट्री से जुड़े अलग-अलग सेक्टर के मुद्दे उठाए गए और पूरी हैंडीक्राफ्ट कम्युनिटी की तरफ से इन चुनौतियों से निपटने के लिए डिपार्टमेंट से मदद मांगी गई ।"

श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच ने साझा किया कि "ईपीसीएच सरकार और हस्तशिल्प निर्यातक समुदाय के बीच नियमित संवाद के लिए सार्थक मंच तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। आज मुरादाबाद में आयोजित संवाद ने

निर्यातकों को व्यापार, नीति और क्लस्टर-स्तरीय आवश्यकताओं पर व्यावहारिक सुझाव साझा करने का अवसर प्रदान किया, साथ ही निर्यातक जागरूकता, बाजार विस्तार और भारतीय हस्तशिल्प के सतत विकास पर परिषद के फोकस को और मजबूत किया।"

इंटरैक्टिव सत्र के उपरांत, ईपीसीएच ने एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीजीसी) के सहयोग से "ईसीजीसी प्रोडक्ट्स एंड रिलीफ स्कीम्स" विषय पर एक सेमिनार का भी आयोजन किया। इस सत्र को श्री चिरंतन दत्त, शाखा प्रबंधक, ईसीजीसी, मुरादाबाद ने संबोधित किया।

सेमिनार में ईसीजीसी के निर्यात ऋण बीमा उत्पादों, जोखिम सुरक्षा तंत्र और निर्यातकों के लिए उपलब्ध विभिन्न राहत योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने इस जानकारीपूर्ण सत्र की सराहना की और निर्यात व्यवसायों की सुरक्षा तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने में ईसीजीसी के सहयोग के महत्व को स्वीकार किया।

कार्यक्रम का समापन विचारों के आदान-प्रदान के साथ एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से हुआ। इस अवसर पर ईपीसीएच ने उद्योग संवाद, नीति पक्षधरता, निर्यातक जागरूकता और भारतीय हस्तशिल्प क्षेत्र के समग्र विकास एवं प्रगति के उद्देश्य से की जाने वाली पहलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने वाली एक नोडल संस्था है और देश के विभिन्न क्राफ्ट क्लस्टरों में होम, लाइफस्टाइल, फर्नीचर तथा फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज़ उत्पादों के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों की कला की ब्रांड छवि बनाने के लिए कार्यरत है। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात रु. 33,123 करोड़ (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा, श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच ने बताया ।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक – ईपीसीएच
+91-9810423612
संलग्न: हिंदी, अंग्रेजी फोटो सहित

EPCH हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् Connecting. Empowering. Transforming. | EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH Organizes Interactive Session & Trade Dialogue with Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India at Moradabad

26th May 2026, Moradabad: Today, The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) organized an Interactive Session & Trade Dialogue with EPCH Member Exporters with Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Government of India at the EPCH Resource Centre, Moradabad.

The session provided an important platform for exporters, artisans, industry stakeholders and members of the handicrafts fraternity to discuss trade-related matters, industry challenges, export opportunities, government initiatives and future growth strategies for the handicrafts sector.

The interactive session witnessed the gracious presence of several eminent dignitaries and industry leaders including Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH; Shri Avadesh Agarwal, Member CoA & Convenor-Central Region; Members of Committee of Administration (COA), EPCH - Shri Naved Ur Rehman, Ms. Rashim Duggal, Shri Rohit Dhall, Shri Salman Azam, Shri Zeeshan Ali. Also present on the occasion were Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH, Shri Najmul Islam, Chief Patron, MHEA; Shri J.P. Singh, Chairman, YES, Moradabad; Ms. Tanya Bhatiya representing SPA & Shri Vikas Arora President SEZ Association and other prominent members of the handicrafts exporting community.

Speaking on the occasion, Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH, said that “The visit of the Development Commissioner (Handicrafts) to Moradabad popularly known as ‘Metal Craft City of India’ and her interaction with member exporters has provided a valuable opportunity for the industry to place its suggestions and concerns directly before the Ministry of Textiles.”

“Moradabad is one of the most important handicrafts clusters of the country and such dialogues play a crucial role in strengthening policy support, improving infrastructure, promoting exports and empowering artisans associated with the sector.” Dr. Khanna added further

Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Government of India, patiently listened to the suggestions and concerns raised by the industry members and assured continued support from the Ministry of Textiles. She also emphasized the Government’s commitment towards strengthening the Indian handicrafts sector by supporting artisans and exporters and enhancing the global competitiveness of Indian handicraft products. She briefed about various promotion measure undertaken by her department for growth and development of handicrafts. She also appreciated the efforts of EPCH and congratulated the Chairman, EPCH for transforming the overall look, functioning and activities of the EPCH Moradabad office.

Shri Avadesh Agarwal, Member CoA & Convenor-Central Region, said that “Moradabad is a significant centre for handicraft exports and such interactions are highly useful in understanding the needs of exporters, artisans and industry stakeholders. During the dialogue, raised various sectoral issues concerning the handicrafts industry and on behalf of entire handicraft fraternity requested support from the Department to address these challenges.”

Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH, shared that "EPCH remains committed to creating meaningful platforms for regular interaction between the Government and the handicrafts exporting community. The dialogue today at Moradabad enabled exporters to share practical inputs on trade, policy and cluster-level requirements, while also reinforcing the Council's focus on exporter awareness, market expansion and sustainable growth of Indian handicrafts."

Following the interactive session, EPCH also organized a seminar in association with the Export Credit Guarantee Corporation of India Ltd. (ECGC) on "ECGC Products and Relief Schemes." The session was addressed by Shri Chirantan Dutt, Branch Manager, ECGC, Moradabad.

The seminar provided detailed information on ECGC's export credit insurance products, risk protection mechanisms and various relief schemes available for exporters. Participants appreciated the informative session and acknowledged the importance of ECGC support in safeguarding export businesses and encouraging international trade.

The event concluded with an engaging Q&A session with exchange of ideas and reaffirmed EPCH's commitment towards facilitating industry interaction, policy advocacy, exporter awareness and initiatives aimed at the overall growth and development of the Indian handicrafts sector.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal institute for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US $ 3,918 Million), as informed by Mr. Rajesh Rawat, Executive Director-EPCH.

For more information please contact:
Shri. Rajesh Rawat, Executive Director – EPCH
+91-9810423612

Encl: Hindi, English with photos

Photo 1: Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Government of India alongwith Shri Neeraj Khanna, Chairman, EPCH met & interacted with members exporters of EPCH at EPCH Resource Centre, Moradabad. Also seen were Shri Avadesh Agarwal, Member CoA & Convenor-Central Region; Members of Committee of Administration (COA), EPCH - Shri Naved Ur Rehman, Shri Rohit Dhall, Shri Salman Azam, Shri Zeeshan Ali, Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH, Shri Najmul Islam, Chief Patron, MHEA, Shri J.P. Singh, Chairman, YES, Moradabad & Shri Vikas Arora President SEZ Association.

Photo 2 & 3: Smt. Amrit Raj, Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles, Government of India alongwith Shri Neeraj Khanna, Chairman, EPCH and other officials visited EPCH Cash & Carry store & 3D Design studio at EPCH Resource Centre, Moradabad.

Photo 4: EPCH organised an awareness seminar on "ECGC Products and Relief Schemes" at EPCH Resource Centre, Moradabad.